

॥ श्रीदत्त अथर्वशीर्ष ॥

.. shrIdatta atharvashIrSha ..

sanskritdocuments.org

July 25, 2016

---

# Document Information

---

Text title : dattAtharvashIrSham

File name : dattAtharvashIrSha.itx

Category : atharvashIrSha

Location : doc\_deities\_misc

Language : Sanskrit

Subject : philosophy/hinduism/religion

Transliterated by : Dinkar Deshpande <dinkar.deshpande at gmail.com>,  
sunderh at hotmail.com

Proofread by : Dinkar Deshpande <dinkar.deshpande at gmail.com>,  
sunderh at hotmail.com

Latest update : April 25, 2010

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

Site access : <http://sanskritdocuments.org>

## ॥ श्रीदत्त अथर्वशीर्ष ॥

॥ हरिः ॐ ॥

ॐ नमो भगवते दत्तात्रेयाय अवधूताय  
दिगंबरायविधिहरिहराय आदितत्त्वाय आदिशक्तये ॥ १ ॥

त्वं चराचरात्मकः सर्वव्यापी सर्वसाक्षी  
त्वं दिक्कालातीतः त्वं द्वन्द्वातीतः ॥ २ ॥

त्वं विश्वात्मकः त्वं विश्वाधारः विश्वेशः  
विश्वनाथः त्वं विश्वनाटकसूत्रधारः  
त्वमेव केवलं कर्तासि त्वं अकर्तासि च नित्यम् ॥ ३ ॥

त्वं आनन्दमयः ध्यानगम्यः त्वं आत्मानन्दः  
त्वं परमानन्दः त्वं सच्चिदानन्दः  
त्वमेव चैतन्यः चैतन्यदत्तात्रेयः  
ॐ चैतन्यदत्तात्रेयाय नमः ॥ ४ ॥

त्वं भक्तवत्सलः भक्ततारकः भक्तरक्षकः  
दयाघनः भजनप्रियः त्वं पतितपावनः  
करुणाकरः भवभयहरः ॥ ५ ॥

त्वं भक्तकारणसंभूतः अत्रिसुतः अनसूयात्मजः  
त्वं श्रीपादश्रीवल्लभः त्वं गाणगग्रामनिवासी  
श्रीमन्नृसिंहसरस्वती त्वं श्रीनृसिंहभानः  
अक्कलकोटनिवासी श्रीस्वामीसमर्थः  
त्वं करवीरनिवासी परमसद्गुरु श्रीकृष्णसरस्वती  
त्वं श्रीसद्गुरु माधवसरस्वती ॥ ६ ॥

त्वं स्मर्तृगामी श्रीगुरुदत्तः शरणागतोऽस्मि त्वाम् ।  
दीने आर्ते मयि दयां कुरु  
तव एकमात्रदृष्टिक्षेपः दुरितक्षयकारकः ।  
हे भगवन्, वरदत्तात्रेय,  
मामुद्धर, मामुद्धर, मामुद्धर इति प्रार्थयामि ।  
ॐ द्वां दत्तात्रेयाय नमः ॥ ७ ॥

॥ ॐ दिगंबराय विद्महे अवधूताय धीमहि तन्नो दत्तः प्रचोदयात् ॥

Encoded and proofread by

Dinkar Deshpande dinkar.deshpande@gmail.com

Sunder Hattangadi sunderh@hotmail.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

---

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

---

.. shrIdatta atharvashIrSha ..  
was typeset on July 25, 2016

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

